# धर्मदूत

'धर्म एवं सामाजिक जागृति का अनुपम मासिक पत्र'

अन्नपूर्णा योजना

7 | जन्मदिन | वैवाहिक वर्षगाँठ | पूर्वज-वार्षिकी

आइये! आज के दिन को यादगार बनायें...
प्यार, प्रसन्नता, और प्रसाद बांटकर पुण्य प्राप्त करें।

महा शिवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं

प्रतिष्ठा में,


**प्रकाशन तिथि : 09 फरवरी, 2026**
The Registrar of News Papers for India
R.N.I. DELHIN/2001/03044 Regd.
Title Code : DELHIN09770

प्रेषक : विश्व जागृति मिशन, ओंकारेश्वर महादेव मंदिर, 'जी' ब्लाक, मानसरोवर गार्डन, नई दिल्ली-110015

फरवरी, 2026 | फाल्गुन/चैत्र | सं. 2082 | अंक 295 | मूल्य एक प्रति 5.00 रु. | वार्षिक 50.00 रु. | पृष्ठ 8



1 अध्यात्म | 2 सम्पादकीय | 3 अम्बर की पाती | 4 समाचार दर्शन | 5 गुरु घर से पाती | 6 धर्मादा | 7 समाचार दर्शन | 8 समाचार दर्शन


# सनातन संस्कृति से ही राष्ट्र उत्थान और विश्व शांति

कोई भी देश प्रगति करेगा, प्रदेश प्रगति करेगा, समाज प्रगति करेगा, परिवार प्रगति करेगा तब जब उसके यहां शांति होगी। अगर परिवार में शांति है तो परिवार में अखंडता व एकता बनी रहेगी, अगर प्रदेश में शांति है तो उसका विकास होगा, अगर राष्ट्र में शांति है तो राष्ट्र उन्नति के शिखर को छूएगा। अगर उन्नति का मूल मंत्र जानना है तो मूल मंत्र एक ही है कि शांति चाहिए है लेकिन शांति स्थापित करने के लिए आवश्यकता यह भी है कि अशांति उत्पन्न करने वाले कारणों को भी दूर करना चाहिए।

आप लोग जानते हैं कि 700 वर्षों तक मुगलकाल में भारत की संस्कृति और धर्म पर कुठाराघात हुए, चोटी जनेऊ पर अघात हुए हम तब भी चुप रहे, लेकिन ब्रिटिश काल में अंग्रेजों ने भारत के 7 लाख गुरुकुल बंद कर दिये और कॉन्वेंट स्कूलों का प्रारम्भ किया। उसके बाद उन स्कूलों में वे ऑफिस में काम करने वाले कलर्क तैयार किये गए। एक बहुत बड़ी टीम बनाई पहले लोर्ड बेवर उसके बाद लोर्ड मेकाले और उनके 8 सदस्यों के दल ने भारत की शिक्षा पद्धति को बदलने के लिए कार्य किया।

आप लोग जानते हैं कि किसी भी देश को अगर जोड़ना हो, तो कुछ मूलभूत सिद्धांत हैं, तोड़ना हो तो उसके कारण भी वही हैं। उन बिंदुओं को थोड़ा सा ध्यान देंगे आप लोग, किसी देश को, समुदाय को, वर्ग को जोड़ने का काम, भाषा, भूषा, भोजन, भजन और भाव। ब्रिटिश लोगों ने सबसे पहले यही काम किया, हमारी भाषा को छीना, हमारी वेशभूषा का मजाक उड़ा दिया, हमारी भोजन भी उन्होंने कहा ये जंगलियों का तरीका है जैसे हम खाते हैं, कांटे छूरी पकड़ाने शुरू कर दिए। वेशभूषा बदल दी, भाषा बदल दी, भोजन का तरीका बदल दिया और फिर पूजा पद्धति पर चोट मारी। आखिर में काम किया, हमारी जो भावानएं थीं, आस्थाएं थीं, हमारी जो विचारधारा थी, वेद शास्त्रों से लेकर के हमारे पुराण, हमारे उपनिषद्, हमारी गीता-रामायण, हमारे दर्शनशास्त्र, हमारे नीति ग्रंथ, हमारे स्मृति ग्रन्थ, हमारे सूत्र ग्रन्थ और बहुत बड़ा वाङमय है हमारा। उस सब पर चोट मारी गई।

**संस्कृति किसी भी देश, धर्म, समुदाय की आत्मा है। संस्कृति से ही जीवन मूल्यों और आदर्शों का निर्धारण होता है। भारत की सनातन संस्कृति विश्व की सबसे प्राचीन व समृद्ध सभ्यता है। यह विश्व की सभी संस्कृतियों की जननी है।**

देश की महान संस्कृति के संरक्षण का उपाय एक ही है जैसे उन लोगों ने ब्रिटिश लोगों ने जैसी शुरुआत की थी, यहां के गुरुकुल बंद किये थे, हमें वहीं से शुरुआत करनी चाहिए, गुरुकुल फिर से शुरू किये जाने चाहिए। गुरुकुलीय शिक्षा पद्धति ही फिर से भारत को विश्वगुरु बनायेगी और बच्चों को संस्कारवान बनाने के लिए देशभर में संस्कार केन्द्र संचालित किए जाने चाहिए। संस्कारों से ही संस्कृति का संरक्षण होगा। आज डिजिटलीकरण का दौर है। संचार माध्यमों ने हर चीज को बहुत आसान कर दिया है, इसलिए जहां संस्कार केन्द्र खोले जायें वहीं संचार माध्यमों से भी संस्कार कक्षाएं चलाई जायें। विश्व जागृति मिशन अपने 10 गुरुकुलों और 108 संस्कार केन्द्रों की संकल्पना को लेकर संचार क्रांति के इस युग में संस्कार क्रांति का देश भर में अलख जगाने के लिए प्रतिबद्ध है। ●


# सनातन संस्कृति जागरण अभियान

## 10 गुरुकुल एवं 108 संस्कार केन्द्रों की स्थापना हेतु

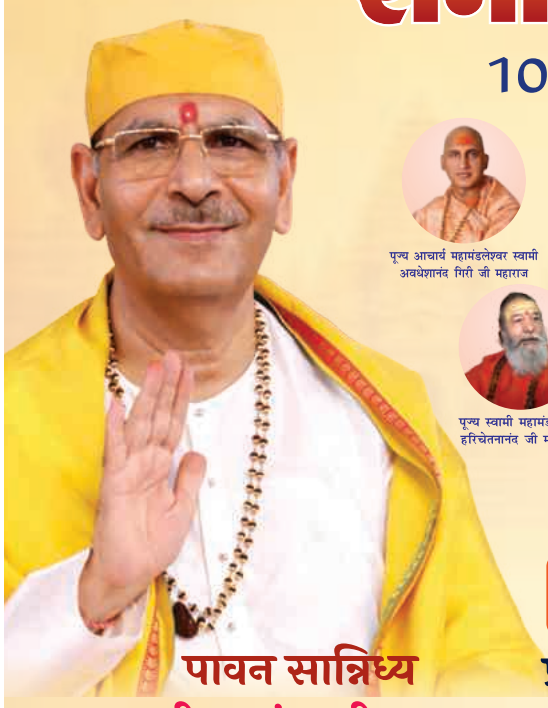

पूज्य आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी जी महाराज
पूज्यश्री गोविन्द देव गिरि जी महाराज
पूज्य जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी राजराजेश्वराश्रम जी महाराज
पूज्य योगऋषि स्वामी रामदेव जी महाराज
पूज्य स्वामी श्री चिदानन्द मुनि भी महाराज
आचार्य महामंडलेश्वर डॉ. पूज्य स्वामी साक्षी जी महाराज (सांसद)
पूज्य बालयोगी उमेशनाथ जी महाराज (सांसद)
पूज्य स्वामी रवींद्र पुरी जी महाराज, अध्यक्ष अखाडा परिषद्
पूज्य आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी बालकानंद जी महाराज
पूज्य स्वामी महामंडलेश्वर हरिचेतनानंद जी महाराज
पूज्य आचार्य श्री प्रमोद कृष्णम् जी महाराज
पूज्य आचार्य श्री बालकृष्ण जी महाराज
पूज्य स्वामी चिन्मयानन्द बापू जी महाराज
पूज्य पुंडरीक गोस्वामी जी महाराज
पूज्य आचार्य श्री संजीव कृष्ण ठाकुर जी
श्री दिनेश चन्द्र जी केन्द्रीय संरक्षक वि.हि.प.
श्री आलोक कुमार जी अध्यक्ष वि.हि.परिषद
श्री अश्विनी उपाध्याय जी प्रखर वक्ता

## 12 से 15 मार्च, 2026

**12 मार्च**
शुभारम्भ - सायं 5 बजे से

**13 से 15 मार्च**
प्रातः 9 बजे से एवं सायं 5 बजे से

**विशेष**
मंत्रदीक्षा - 15 मार्च प्रातः 11 बजे से

पावन सान्निध्य
पूज्य श्री सुधांशु जी महाराज
प्रवचन यात्रा - स्वर्ण जयन्ती वर्ष
गुरु कृपा - 25 वर्ष

प्रख्यात पूज्य साधु-संत एवं राष्ट्र के प्रखर राजनेताओं के सम्बोधन

आई.टी.आई. मैदान, साकेत, नजदीक जेल चुंगी, मेरठ, उत्तर प्रदेश

आप सपरिवार सादर आमंत्रित हैं।

ध्यान गुरु डॉ. अर्चिका दीदी
संयोजिका, अखिल भारतीय संस्कार अभियान

आयोजक: विश्व जागृति मिशन - उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, राजस्थान मण्डल
संयोजक: मनोज शास्त्री -8630992931
सम्पर्क सूत्र: 8630992931, 9897031449, 9412058802, 9829240195, 9897047221

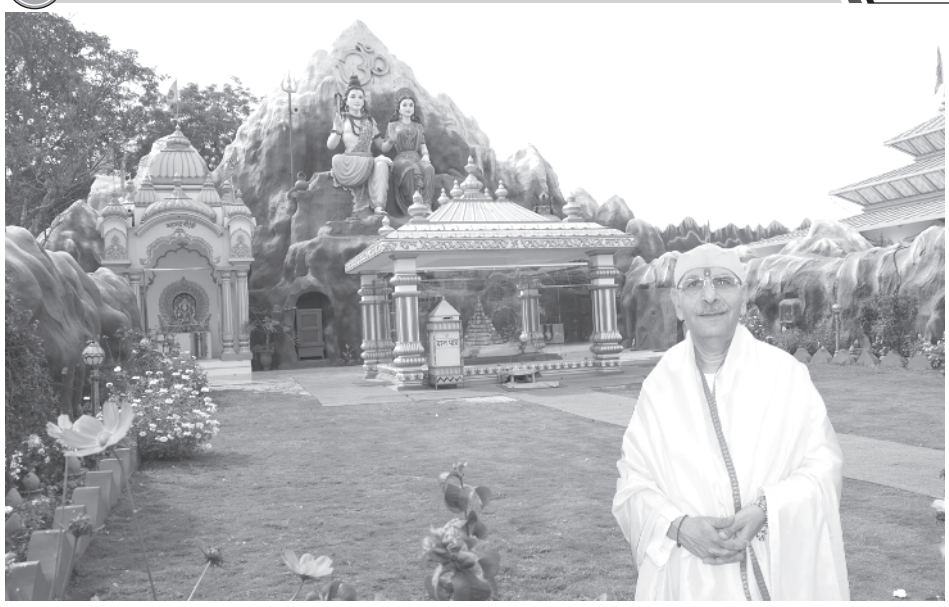

# शिव वरदान तीर्थ है सिरमौर आनंदधाम आश्रम का

आनंदधाम आश्रम स्वयं में ही है एक पुण्य तीर्थ है सिद्धशिखर, सुमेरुपर्वत, मानसरोवर झील, कामधेनु गौशाला, भव्य मंदिरों की श्रृंखला, वृद्धाश्रम, कल्पतरु आंगन, गुरुकुल, महाविद्यालय आदि-आदि अनेक सुंदर निर्माण सद्गुरुदेव जी महाराज के सात्विक मन से उपजे हीरे मोती, भक्तों को सहज रूप से ही आकर्षित कर लेते हैं, मन मोह लेते हैं। सोने पर सुहागा सज जाता है, जब गुरुदेव जी के दर्शन हो जाते हैं, जब दीदी की मधु मुस्कान आश्रम को महका देती है। प्रतिदिन सैंकड़ों भक्तजन आते हैं आश्रम में, गुरुधाम में, आनंद के धाम, पर्वों पर, त्यौहारों पर तो भक्तों की उपस्थिति हजारों में होती है, नववर्ष 2026 प्रथम जनवरी को तो तिल भर भी स्थान खाली नहीं था, अपार जन सैलाब था उस दिन।

ये सब निर्माण सुंदर और आकर्षक तो हैं ही, किन्तु सद्गुरुदेव जी की चिन्तनधारा से उत्पन्न शिव वरदान तीर्थ की सम्पूर्ण रचना अद्भुत है, अकल्पनीय है, आनंदधाम आश्रम की सिरमौर है। आश्रम का यह परिसर, आशुतोष भगवान शिव के सत्यम्, शिवम्, सुन्दरम् भाव स्वरूप का साकार प्रतीक है। पशुपति नाथ मंदिर अपने आप में एक रमणीय रचना है, जिसमें शिव परिवार, नन्दी जी, शिवलिंग मनोहारी रूप में विराजमान हैं। मंदिर के सामने नन्दी जी की विशाल स्वर्णिम प्रतिमा सहज ही मन को मोह लेती है। आगे चलकर उस बरगद वृक्ष के दर्शन कीजिये। बरगद की अपनी ही छटा होती है, जो जीवनदायिनी है। यह ऑक्सीजन का सर्वदा उपहार बांटता है, यह कभी सूखता नहीं, हमेशा हरा भरा। मान्यता है कि बरगद के नीचे ही भगवान शिव ने मां पार्वती को गुरुगीता का ज्ञान दिया था। बरगद को चौकी में स्वर्णिम चौकोर जंगले से सजाया गया है, जहां स्पर्श करने से मधुर संगीत सुनने को मिलता है।

यहां से दांई ओर प्रवेश कीजिए शिव वरदान तीर्थ के प्रांगण में, बांई ओर से प्रवेश करके बारह ज्योतिर्लिंगों के दर्शन करके आशीर्वाद प्राप्त कर जीवन को आनंदित कीजिए। ज्योतिर्लिंगों के दर्शन से जीवन में सुख आता है। सुमेरु पर्वत पर शिव-पार्वती की मूर्ति स्थापित है। पर्वत के भीतर तिरुपति बाला जी, कुबेर जी, गणेश जी, सोमनाथ जी की भव्य मूर्तियां स्थापित हैं। पर्वत के सामने 810 किलो का श्रीयंत्र विराजमान है, जिसे श्री मंदिर के नाम से सुरक्षित किया गया है। हरी भरी मखमली घास इस परिसर को और भी सुंदर बना देती है। परिसर के सामने विशाल त्रिशूल स्थापित है। इस भव्य रचना के लिए गुरुदेव जी की ऋतम्भरा सोच को बार-बार प्रणाम, इसी मास में इस परिसर में महाशिवरात्रि का भव्य आयोजन किया गया है।

-डॉ. नरेन्द्र मदान

सद्गुरुदेव उवाच

सनातन धर्म के उत्थान के लिए गुरुकुलीय शिक्षा की आज नितान्त आवश्यकता है। प्रकृति के परिवेश में भारतीय संस्कृति की जानकारी, शिक्षा के साथ सत्य, करुणा और ईमानदारी जैसे जीवन मूल्य जहां सिखाये जाते हैं। जहां अनुशासन, शिष्टाचार, मर्यादा के साथ नैतिकता के गुण विकसित किए जाते हैं। जहां प्राचीन और अर्वाचीन विद्या, शिक्षा के साथ कला-कौशल, योग, शिल्प, गायन, भाषण, नेतृत्व का प्रशिक्षण दिया जाता है।

जहां पढ़कर एक छात्र मानवीय गुणों से भरपूर, अपनेपन के साथ सामाजिक समरसता से युक्त होता है। देश भक्ति, मातृ-पितृ भक्ति, ईश्वर भक्ति के साथ गुरुजनों और वरिष्ठों के साथ सम्मान देना सीखता है। महान चरित्र का धनी, वीर-धीर बनकर समाज को नेतृत्व देने में सक्षम होता है। सभ्यता, संस्कृति, संस्कार के स्वस्थ मानसिकता को अपनाता है, ऐसी है यह हमारी गुरुकुल परम्परा।

गुरुकुल पूर्णतः आवासीय शिक्षा का एकान्त स्थान होता है, जहां गुरु व शिक्षक के निर्देशों का पूर्णतः पालन करते हुए विद्यार्थीगण अपनी दिनचर्या के सभी कार्य स्वयं पूर्ण करते हैं। इससे विद्यार्थियों को आत्मनिर्भरता के गुण विकसित करने के साथ-साथ स्वयं सेवक बनने का अवसर मिलता है।

आज आवश्यकता है छात्रों में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की विद्या, शिक्षा, तकनीकी के साथ पूर्ण भारतीय संस्कृति की छाप जगाने की। ताकि वे अपने कुल, परिवार और राष्ट्र के प्रति कर्त्तव्य को भी समझें। उन्हें अपने इतिहास के बोध के साथ राष्ट्र स्वाभिमान की अनुभूति भी हो। वे राष्ट्रीय अखण्डता के प्रति भी सजग हों। गुरुकुलीय शिक्षा पद्धति ही छात्रों में ऐसे महान भाव उत्पन्न कर सकती है और जब छात्रों में अपने राष्ट्र के प्रति, अपने इतिहास के प्रति प्रेम होगा तो ही सनातन संस्कृति का उत्थान होगा। ●

## पूज्य श्री सुधांशु जी महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित
## भक्ति सत्संग के आगामी कार्यक्रम, 2026

| | |
|---|---|
| 14 से 15 फरवरी | - महाशिवरात्रि, आनन्दधाम आश्रम, नई दिल्ली |
| 19 से 22 फरवरी | - अकोला, महाराष्ट्र |
| 23 फरवरी | - खामगांव, महाराष्ट्र |
| 24 फरवरी | - अमरावती, महाराष्ट्र |
| 04 मार्च | - होली मंगल मिलन एवं पूर्णिमा दर्शन आनन्दधाम आश्रम, नई दिल्ली |
| 06 से 08 मार्च | - पूणे, महाराष्ट्र |
| 12 से 15 मार्च | - सनातन संस्कृति जागरण अभियान, मेरठ, उत्तर प्रदेश |
| 26 मार्च | - राम नवमी एवं मिशन स्थापना दिवस आनन्दधाम आश्रम, नई दिल्ली |
| 27 से 29 मार्च | - नासिक, महाराष्ट्र |
| 02 अप्रैल | - पूर्णिमा दर्शन, आनन्दधाम आश्रम, नई दिल्ली |
| 02 से 05 अप्रैल | - पानीपत, हरियाणा |
| 09 से 12 अप्रैल | - बैतूल, मध्य प्रदेश |
| 14 से 17 अप्रैल | - शिमला, हिमाचल प्रदेश |
| 01 मई | - पूर्णिमा दर्शन, आनन्दधाम आश्रम, नई दिल्ली |
| 02 मई | - उल्लास पर्व, आनन्दधाम आश्रम, नई दिल्ली |
| 07 से 10 मई | - कुल्लू, हिमाचल प्रदेश |

### ध्यान शिविर-मनाली (हिमाचल प्रदेश)

| | |
|---|---|
| 12 से 26 मई | - अर्ध चांद्रायण तप साधना |
| 27 मई से 10 जून | - चान्द्रायण तप साधना (एडवांस कोर्स) |
| 12 मई से 10 जून | - पूर्ण चान्द्रायण तप साधना |
| 12 से 16 मई | - प्रथम पांच दिवसीय ध्यान शिविर |
| 18 से 22 मई | - द्वितीय पांच दिवसीय ध्यान शिविर |
| 31 मई | - पूर्णिमा दर्शन, मनाली, हिमाचल प्रदेश |
| 11 से 14 जून | - सुंदर नगर, हिमाचल प्रदेश |
| 21 जून | - अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस, आनन्दधाम आश्रम, नई दिल्ली |

**आयोजक : विश्व जागृति मिशन**

**प्रिय आत्मन्!**

मनुष्य की यात्रा पशुलोक से शिवलोक की यात्रा है, प्रदर्शन से आत्मदर्शन की यात्रा है। यह विषाद को प्रसाद में बदलने की यात्रा है। यह वासना को उपासना में रूपांतरण की यात्रा है। इस यात्रा का निर्देशक सत्य-धर्म उपदेष्टा गुरु है। गुरु का उद्देश्य है, पूर्ण विश्व में, विश्व मानव में पूर्ण जागृति लाना।

जागृति देव संस्कृति की, ऋषि-परम्परा की। श्री राम के आचरण की, श्री कृष्ण के संदेश-उपदेश और आदेश की। वेद, उपनिषद, गीता, रामायण, सद्शास्त्र से लेकर, पुराणों के भाव दर्शन और तत्वज्ञान की। जागृति चाहिए धर्म के विशुद्ध स्वरूप को जन चेतना में लाये जाने की। आज धर्म मानने से अधिक, जानने की आवश्यकता है। ईश्वर की अनुभूति कराने की आवश्यकता है। धर्म-अधर्म, कर्तव्य-अकर्तव्य, पाप-पुण्य, नित्य-अनित्य, विनाशी और अविनाशी को तत्व से समझाने-जनाने की आवश्यकता है। अत: सत्संग भी चाहिए, स्वाध्याय भी, साधना भी चाहिए, सेवा भी, सहानुभूति भी और संतुलन भी। इन सभी बातों को जीवन में अपनाने के लिए हमें सनातन संस्कृति का संरक्षण करना होगा। सनातन संस्कृति के संरक्षण के लिए बच्चों को अच्छे संस्कार देने होंगे, संस्कार ही संस्कृति के आधार बनेंगे। भगवान करें आप सभी को अपनी संस्कृति और संस्कारों पर गर्व हो।

**बहुत-बहुत आशीर्वाद, शुभ मंगल कामनाएं।**

**-आचार्य सुधांशु**

# धर्मकोष सदस्यता अभियान

## एक बार दान, अनंतकाल तक पुण्य का वरदान

धर्मकोष एक ऐसा कोष है जिसमें दानदाता एक बार में एक निश्चित धनराशि संस्था द्वारा चलाई गई विभिन्न सेवाओं के लिये दान करेगा, वह राशि दानदाता अपनी सुविधानुसार चार किश्तों में भी दे सकता है। दानदाता से प्राप्त सहयोग राशि को बैंक में स्थाई रूप से जमा कर दिया जायेगा और उस राशि से प्राप्त ब्याज या अन्य माध्यमों से प्राप्त आय द्वारा विश्व जागृति मिशन की विभिन्न सेवाएं निरन्तर संचालित रहेंगी। धर्मकोष में दी गई यह धन राशि ठीक वैसे ही है जैसे एक बार आम का पेड़ लगाओ और जिन्दगी भर उसके फल खाओ। अर्थात् धर्मकोष में एक बार दान दो और उस दान की अर्जित राशि से वर्षों-वर्षों तक दान देने का पुण्य लाभ पाओ।

### धर्मकोष दानदाताओं के लिए आनन्दधाम में होता है

## नित्य यज्ञ, पूजा, प्रार्थना एवं आरती

मिशन द्वारा संचालित सेवाकार्यों और भक्तों के अनन्तकाल तक पुण्य प्राप्ति के लिए एक "**धर्मकोष**" बनाया गया है। इस धर्मकोष में दान देने वाले भक्त के नाम के साथ उसकी वंशावली का नाम एक कालपात्र में स्वर्णाक्षरों में अंकित कर उसे द्वादश ज्योतिर्लिंग प्रांगण में स्थापित किया गया, जो कि सैकड़ों वर्षों तक सुरक्षित रहेगा और दानदाता के आनेवाली पीढ़ियां अपने पूर्वजों पर गर्व करेंगी। धर्मकोष के दान-दाताओं की वंशावली शिव वरदान तीर्थ में स्थापित हैं, जहां पर नित्य सायंकालीन यज्ञ, आरती में गुरुकुल के ऋषिकुमारों द्वारा धर्मकोष के दानदाताओं के लिए यज्ञ में आहुतियां दी जाती हैं तथा उनके लिए प्रार्थना व मंगलकामना भी की जाती है।।

**धर्मकोष में आप यह सहयोग सीधे बैंक एकाउण्ट में भी जमा कर सकते हैं। जमा करने के उपरान्त श्री ललित कुमार जी को फोन नम्बर - 9312284390 पर अवश्य सूचित करें ताकि दिये गये दान की रसीद आपको भेज सकें।**

Name of Account : VISHWA JAGRITI MISSION
Account number : 235401001600
IFSC : ICIC0002354
Name of Bank : ICICI Bank
Address of Branch : Shop Number 3, Nazafgarh Road,
Nangloi, New Delhi - 110041

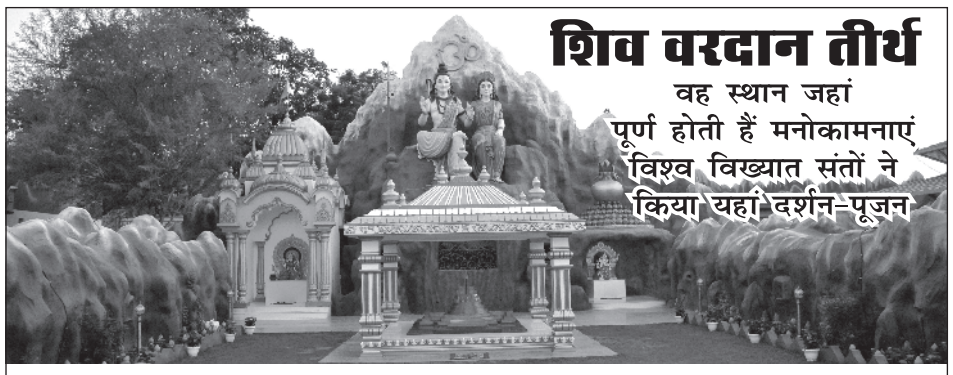

# शिव वरदान तीर्थ

**वह स्थान जहां पूर्ण होती हैं मनोकामनाएं विश्व विख्यात संतों ने किया यहां दर्शन-पूजन**

आनन्दधाम आश्रम की ओंकार पर्वत की गुफा में 12 ज्योतिर्लिंगों में विद्यमान शिव की दिव्य उर्जा कष्ट हरण करती है। इन ज्योतिर्लिंगों के दर्शन पूजन और रुद्राभिषेक से हजारों भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण हुई हैं। देश-विदेश के भक्त यहाँ मनौती पूर्ण करने आते हैं। भारत के महान संतों ने भी यहाँ आकर दर्शन पूजन किया है और कृपा प्राप्त कर आनन्दित हुए हैं। पूज्य जगद्गुरु स्वामी राजराजेश्वराश्रम जी महाराज (हरिद्वार), विश्व प्रसिद्ध राम कथा वाचक पूज्य मोरारी बापू जी, चमत्कारी विद्या के धनी सनातन गौरव बागेश्वर सरकार पूज्य पंडित धीरेन्द्र शास्त्री जी तथा भारत भर के सैकड़ों साधु सन्यासी एवं भक्तजन यहाँ की दिव्य ऊर्जा से लाभान्वित हुए।

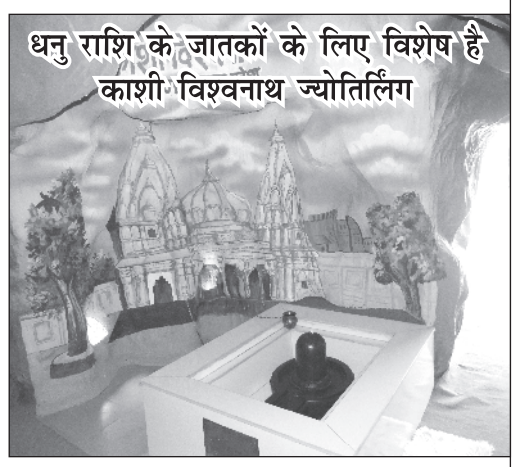

**धनु राशि के जातकों के लिए विशेष है काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग**

भगवान शिव के द्वादश ज्योतिर्लिंगों में शिववरदान तीर्थ स्थित **'विश्वनाथ'** ज्योतिर्लिंग का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। विश्वनाथ का अर्थ है-सम्पूर्ण विश्व के मालिक, अर्थात् समस्त सृष्टि के स्वामी ही भगवान विश्नाथ हैं। यह ज्योतिर्लिंग धनु राशि के जातकों के लिए विशेष शुभफलदायी हैं। इस तीर्थ में स्थित भगवान विश्वनाथ सिर्फ ज्योतिर्लिंग ही नहीं अपितु आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण दिव्य शक्ति के रूप में विराजमान हैं। भगवान विश्वनाथ के दर्शन, पूजन एवं रुद्राभिषेक से पापों का नाश, कष्टों से मुक्ति, मन की स्थिरता व शांति तथा जीवन-मरण के बंधन से मुक्ति मिलती है। शिव वरदान स्थित भगवान विश्वनाथ के जिस भक्त ने भी श्रद्धा से दर्शन-पूजन किया उसकी हर एक शुभ मनोकामना पूर्ण हुई है। अपनी शुभ मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए भगवान विश्वनाथ के दर्शन अवश्य करें। ●

# परमार्थ और परोपकार की पक्षधर सनातन संस्कृति

भारतीय संस्कृति परमार्थ और परोपकार की पक्षधर है। व्यक्ति की जब अपनी सात्विक आवश्यकताओं की पूर्ति हो जाय तो लोक कल्याण तथा दूसरों की उन्नति के लिए दान देना चाहिए। प्राचीन काल में ऐसे नि:स्वार्थी, लोकहित के कार्यों में लगे ऋषि-मुनि, योगी, संन्यासी होते थे जो लोकहित में जीवन पर्यन्त कार्य करते थे। कुछ लोग दूसरों की सेवा, कुछ लोग अध्ययन-अध्यापन, कुछ लोग उपदेशों के द्वारा जनता की शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, सहयोग, धर्मपरायण आदि सद्गुणों को बढ़ाने का कार्य करते थे।

हमारे शास्त्रों में परोपकार की महिमा वर्णित है। जितना हमसे संभव है हम परोपकार अवश्य करें किन्तु यह दान, अभिमान तथा कीर्ति के लिए नहीं आत्मकल्याण के लिए होना चाहिए। दान से जो मानसिक उन्नति होती है, आत्मा को जो शक्ति मिलती है, वह दान लेने वाले को नहीं वरन दान देने वालों को मिलती है।

दान आत्मा का दिव्य गुण है। दानशीलता की सात्विक भावना जिसके अंत:करण में प्रवेश करती है उसे उदार बना देती है। दान रुपये, पैसे, रोटी-कपड़ा का ही नहीं श्रम का भी दान होता है। सच्चा दानी लोक उपकार को महत्व देता है। सच्चा दानी समय और देश की आवश्यकताओं के अनुसार अपनी बुद्धि, योग्यता, कला, प्रतिभा तथा शक्तियों का दान करता रहता है। ●

## नागपुर में पंच दिवसीय सत्संग सम्पन्न

# संस्कारों की क्रांति से आंतरिक शुद्धि और व्यक्तित्व विकास -सुधांशु जी महाराज

**नागपुर, महाराष्ट्र, 7 से 11 जनवरी, 2026,** पूज्य गुरुदेव श्री सुधांशु जी महाराज के सानिध्य में भारी संख्या में भक्तों ने विश्व जागृति मिशन नागपुर मण्डल द्वारा पांच दिवसीय विराट भक्ति सत्संग आयोजित किया गया। रेशम बाग मैदान में रखे गये इस सत्संग महोत्सव में दूर-दूर से पधारे हजारों सत्संग प्रेमी संस्कारों की क्रान्ति से आंतरिक शुद्धि जैसे गुरु अभियान को सफल बनाने हेतु संकल्पित हुए। इस दौरान सैकड़ों संकल्पित साधकों-भक्तों ने दो दिनों तक पांच कुण्डीय गणेश लक्ष्मी महायज्ञ में अपनी गुरुसत्ता के साथ आहुतियां समर्पित कर पुण्य के भागीदार बने। 9 व 10 जनवरी के प्रात:कालीन सत्संग सत्रों का शुभारम्भ इस पांच कुण्डीय यज्ञ के साथ हुआ। कार्यक्रम के दौरान सैकड़ों भक्तों ने पूज्य महाराजश्री से मंत्रदीक्षा ली। इसी क्रम में एक सायंकालीन सत्र मराठी पारम्परिक संगीत नृत्य के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम को समर्पित किया गया, जिसने भक्तों को लोक परम्परायें अपनाने हेतु प्रेरित किया। भक्ति सत्संग का अंतिम सत्र गुरुकुल अभियान के प्रति समर्पित रहा, जिसमें हजारों लोगों ने सहभागिता का संकल्प लिया।

पूज्य गुरुदेव की नागपुर उपस्थिति से अवगत होकर अनेक गणमान्य व्यक्तित्व गुरुवर से आशीर्वाद पाने हेतु पधारे। जिसमें उत्तराखंड सरकार के पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री, डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' जी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से श्री दिनेश गौड़ जी आदि प्रमुख थे। निशंक जी ने नागपुर स्थित मिशन के 'दिव्य निर्मल धाम आश्रम' आकर पूज्य श्री सुधांशु जी महाराज से भेंट की, आश्रम का भ्रमण किया और पूज्य महाराज श्री से आशीर्वाद-मार्गदर्शन प्राप्त किया। वहीं गौड़ जी ने कार्यक्रम स्थल पहुंचकर संघ की ओर से पूज्य गुरुदेव का स्वागत एवं अभिनन्दन करते हुए भारतीय संस्कृति को मजबूती देने में पूज्य महाराजश्री के सतत पुरुषार्थ को सराहा।

सत्संग महोत्सव में सहभागी हजारों भक्तों से पूज्य श्री सुधांशु जी महाराज ने कहा कि व्यक्ति के तप:पूर्ण जीवन से उसकी बुद्धि, प्राण शक्ति, आत्मा व मनोबल में उच्च स्तरीय परिवर्तन आता है। तप से प्राण शक्ति शुद्ध होती है, आत्मा पवित्र-प्रखर बनती है, परिणामत: जीवन सुखमय होता है, इसलिए हर किसी को त्याग-तप को अपनाना चाहिए। पूज्यवर ने कहा ऐसी बुद्धि जब गुरुसत्ता के साथ जोड़ेंगे, तब हर स्तर पर परिवर्तन सम्भव बन सकेगा। तब गुरु व ईश्वर से श्रद्धा पूर्ण होकर भक्त जो मांगेंगे, वह प्राप्त हो सकता है। व्यास मंच पर सपरिवार श्री दिलीप मुरारका जी एवं यजमान श्री धनराज जैन ने पूज्य महाराजश्री का स्वागत-अभिनन्दन किया।

पूज्यवर ने भक्तों को अपने दिन की शुरुआत प्रार्थना, जप आदि से करने की प्रेरणा दी, ताकि परमात्मा के आनंद स्रोत से जुड़ सकें। गुरुवर ने सत्संग को धार्मिक मनोरंजन से ऊपर उठकर जीवन निर्माण की प्रयोगशाला बनाने पर बल दिया। गुरु आरती व नागरिक अभिनन्दन के साथ नागपुर मण्डल का यह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। ●

### पूज्य महाराजश्री और केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी जी की विशेष भेंट

निर्धारित कार्यक्रम अनुसार नागपुर के लोकप्रिय सांसद एवं भारत के केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी जी से पूज्य श्री सुधांशु जी महाराज की नागपुर आवास पर विशेष मुलाकात हुई। जिसमें पूज्यवर ने मिशन के सनातन संस्कृति जागरण अभियान जैसी संकल्पना से गडकरी जी को अवगत कराया। इसी क्रम में नागपुर में 'गुरुकुलम' स्थापना पर भी विस्तार से चर्चा हुई।

# गुरुकुल परिसर में मनाया गया वसंत पंचमी पर्व

**आनन्दधाम आश्रम।** 23 जनवरी, 2026 को आनंदधाम आश्रम में संचालित गुरुकुल परिसर में ज्ञान, बुद्धि और कला की देवी माता सरस्वती का पूजन, अर्चन और श्रृंगार बड़े उत्साह व सम्मान से किया गया। विधि विधान से यज्ञ का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री दौलतराम कटारिया, डॉ. नरेन्द्र मदान, श्री एम.एल. तिवारी, श्री सुशील शर्मा, श्री आर.पी. राघव, आचार्यों, ऋषिकुमारों एवं भक्तों ने भाग लिया। वर्षा के बावजूद सभी में भारी उत्साह था।

सद्गुरुदेव जी महाराज ने इस पावन अवसर पर वरदान लोक आश्रम, मुम्बई से ऑनलाइन सभी को मंगलकामनायें और आशीर्वाद देते हुए कहा मां सरस्वती के करकमलों में वीणा, पुस्तक, माला है जो कला, नृत्य, संगीत, विवेक व ज्ञान, भगवान से जोड़ने के प्रतीक हैं। उनकी अभय मुद्रा ज्ञान, कला, कौशल का संदेश देती है। माता सरस्वती ज्ञान, विज्ञान और निर्भयता की देवी हैं। उनके संदेश हैं जीवन में ज्ञान प्राप्त करें, सर्वदा सीखते रहें, विद्या कौशल से परिपूर्ण हों, विद्या कभी समाप्त नहीं होती (जैसे धन समाप्त हो जाता है)। गुरुदेव जी ने ऋषिकुमारों को सरस्वती मंत्र की दीक्षा दी ताकि उनकी वृद्धि विलक्षण बने। आरती के साथ यह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। ●

# आनंदधाम आश्रम में गणतंत्र दिवस समारोह

**आनन्दधाम आश्रम।** 26 जनवरी, 2026 को आश्रम के कल्पवृक्ष वाटिका परिसर मे भारत का 77वां गणतंत्र दिवस बड़े उत्साह से मनाया गया, जिसमें गुरुकुल, उपदेशक, आश्रमवासियों एवं आगंतुकों ने भाग लिया। गुरुकुल के ऋषिकुमारों ने देशभक्ति गीत गाये और ढ़ोल-नगाड़ों की धुन पर परेड की। विश्व जागृति मिशन के उपाध्यक्ष व गुरुकुल के प्रधान श्री दौलतराम कटारिया जी ने ध्वजारोहण किया। सभी गणमान्य अतिथियों का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर डॉ. नरेन्द्र मदान जी ने सद्गुरु जी के उपदेश "शारीरिक स्वाधीनता के साथ-साथ आध्यात्मिक स्वाधीनता मानव जीवन का उद्देश्य होना चाहिए" पर विस्तार से चर्चा की। श्री एम.एल. तिवारी जी ने बच्चों को देशभक्ति के मंत्र बताये। आश्रम के सभी विभागों के मुखिया अधिकारी उपस्थित थे, सर्व श्री सुभाष गुप्ता जी, श्री सतीश शर्मा जी, श्री रविन्द्र शर्मा जी (टीटू), श्री प्रकाश सेठी जी, श्री प्रदीप जी, श्री डी.पी. गुलाटी जी, श्रीमती शारदा गुप्ता जी व अन्य। श्री दौलतराम कटारिया जी ने सबका धन्यवाद किया। मिष्ठान वितरण के साथ समारोह सम्पन्न हुआ। ●

# सकल हिन्दू सम्मेलन में गुरुवर का दिव्य उद्बोधन

**नई दिल्ली।** 1 फरवरी, 2026 सकल हिन्दू सम्मेलन समिति कुंवर सिंह नगर, नयी दिल्ली द्वारा आयोजित 'सकल हिन्दू सम्मेलन' में विशेष आमंत्रण पर पधारकर पूज्य गुरुवर श्री सुधांशु जी महाराज ने उपस्थित भक्तों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि आप सभी एकता के सूत्र में बंधकर अपने धर्म और संस्कृत की रक्षा के लिए अपने बच्चों को अच्छे संस्कार दें। उन्हें रामायण, गीता और वीरों की वीरगाथायें पढ़ने के लिए प्रेरित करें। इस अवसर पर विश्व हिन्दू परिषद के पदाधिकारियों व दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज सिंह ने पूज्य महाराजश्री के पधारने का तहेदिल से आभार व्यक्त करते हुए गुरुवर से आशीर्वाद लिया। ●

# गुरुवर ने किया भगवान श्रीराम की तरह पिता और गुरु की आज्ञा का पालन

**सुनि जननी नत सीस कह प्रमुदित रामु भुआलु। कौसल्या नृप रंक जेहिं राम कीन्ह प्रतिपालु।।**

भगवान राम ने माता कैकेयी को सुनकर मस्तक नवाया और प्रसन्नतापूर्वक राजा दशरथ के द्वारा वन जाने की आज्ञा का पालन किया।

सनातन संस्कृति में प्रभु श्री राम को आज्ञापालन के सर्वोत्तम गुण के कारण ही मर्यादा पुरुषोत्तम राम कहा गया। आज्ञापालन सिर्फ किसी आदेश को मान लेना नहीं अपितु कर्त्तव्य, अनुशासन, त्याग और विनम्रता का एक ऐसा समन्वित रूप है जो इंसान को महान बनाता है।

प्रभु श्री राम का जीवन बचपन से अनुशासित, मर्यादित और आज्ञाकारिता से परिपूर्ण रहा। गुरु वशिष्ठ और गुरु विश्वामित्र के प्रति उनका आदरभाव व आज्ञापालन मानव इतिहास में आदर्श उदाहरण है। जब विश्वामित्र जी ने राजा दशरथ से राम को यज्ञ रक्षा के लिए अपने साथ ले जाने के लिए मांगा तो पिता द्वारा गुरु विश्वामित्र के साथ राक्षसों के वध के लिए वनगमन का आदेश मिलते ही भगवान राम ने बिना किसी प्रश्न या संकोच के उनकी आज्ञा स्वीकार की। उस समय वे किशोर अवस्था में थे, परंतु गुरु की आज्ञा को सर्वोपरि मानते हुए वे यज्ञ रक्षा के लिए राजमहल से निकल पड़े और ऋषिकार्यों को पूर्ण कराया। जब राजा दशरथ द्वारा युवराज घोषित किये जाने पर भी विवशता वश उन्हें वनवास जाने का आदेश देना पड़ा तो प्रभु श्रीराम ने पिता की विवशता पर न ही विरोध किया और न ही किसी तरह का क्रोध व्यक्त किया अपितु शांति और प्रसन्नता के साथ पिता की आज्ञा को स्वीकार किया। उस समय उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि उनके लिये राजसिंहासन से अधिक महत्वपूर्ण पिता और गुरु की आज्ञा का पालन है।

हमारे गुरुवर भी बचपन से ही प्रभु श्री राम की तरह आज्ञापालक रहे। जैसा कि हमारे देश में प्राचीन समय से यह परम्परा रही है कि घर की प्रथम संतान धर्म के लिए समर्पित होती थी। सनातन धर्म की उसी परम्परा को कायम रखते हुए गुरुवर के पूज्य पिता जी ने गुरुवर को बचपन से ही वैसी शिक्षा, संस्कार दिये और जब उन्हें घर से बाहर अध्ययन करवाने के लिए गुरुकुल में छोड़ने गये और गुरुवर के पिताश्री ने कहा अब पीछे मुड़कर नहीं देखना पूरे मनोयोग से पढ़ाई करना और अपने गुरुओं की आज्ञा का पालन करना। तब गुरुवर ने पिता के कहे वाक्यों को मंत्र मानकर पूरी दृढ़ता से पालन करते हुए अध्ययनरत हो गये।

अध्ययन के उपरांत जब गुरुवर ने अपने गुरु पूज्य स्वामी सदानंद जी महाराज से ध्यान साधना सीखी और ध्यान में दिव्य प्रकाश की अनुभूति के उपरांत जब उनके गुरुवर स्वामी सदानन्द जी महाराज ने कहा जो अमृत तुमने प्राप्त किया है उसे सिर्फ अपने तक ही सीमित मत रखना, इसे जन-जन को बांटना है, तुम्हारा जीवन अन्य अनेकों जीवन में उजाला भरने के लिए है, जाओ इस अमृत को पूरे विश्व में बांटों, तो गुरु की आज्ञा को सर्वोपरि मानते हुए गुरुवर तब से लेकर अब तक वही कार्य कर रहे हैं।

सनातन संस्कृति की प्राचीन परम्परा का पालन करते हुए संस्कृति के पुनर्उथान के लिए गुरुवर ने सनातन संस्कृति जागरण अभियान का प्रथम कार्यक्रम भारत मण्डपम्, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में किया। दूसरा कार्यक्रम पंचकुला, हरियाणा में और अब पूज्य गुरुवर के सान्निध्य में 12 से 15 मार्च, 2026 तक मेरठ में 'सनातन संस्कृति जागरण अभियान' कार्यक्रम का तीसरा आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में आप सभी सादर आमंत्रित हैं।

प्रयास करें प्रतिदिन गुरु से जुड़े रहें। चाहे टी.वी., सत्संगों या ध्यान शिविरों के माध्यम से या सोशल मीडिया के विभिन्न चैनलों से जुड़ने के लिए धर्मदूत के पेज नम्बर-2 पर दिये गये सम्पर्क सूत्रों से जुड़ें। आपके जीवन में भी गुरु से जुड़ने के पश्चात् निश्चित ही कुछ अप्रत्याशित, आश्चर्यजनक बदलाव आए होंगे, आपत्ति-विपत्ति से बाहर निकले होंगे, तो आप अवश्य हमसे अपने अनुभव साझा कीजिए ताकि आपसे प्रेरित होकर अन्य भक्तों की भी गुरु के प्रति श्रद्धा बढ़े और उन्हें भी आप के जैसा ही गुरु कृपा का लाभ प्राप्त हो सके। आप अपने अनुभव फोटो सहित श्री शिवाकांत द्विवेदी जी (9968613351) सहसम्पादक धर्मदूत को अवश्य भेजें।

क्रमशः ...

आपका अपना
देवराज कटारीया


# वेलेंटिस कैंसर हॉस्पिटल, मेरठ

कैंसर रोगियों हेतु हम लाते हैं हर साल आधुनिक तकनीक क्योंकि
कैंसर को हराना है, आपको जिताना है

डॉ. अमित जैन
कैंसर रोग विशेषज्ञ एवं संस्थापक
वेलेंटिस कैंसर हॉस्पिटल, मेरठ

Valentis
Cancer Hpspital

दूरराज के क्षेत्रों एवं अन्य देशों जैसे जांबिया, सूडान, मॉरिशियस, दुबई, सउदी अरब, नाइजीरिया श्रीलंका, मलेशिया, नेपाल आदि से कैंसर रोगी CYBERKNIFE S7 से उपचार कराने वेलेंटिस कैंसर हॉस्पिटल, मेरठ आ रहे हैं।

**आप कैंसर का शिकार हो सकते हैं या कैंसर से लड़कर जीत सकते हैं यह आपकी मानसिकता पर निर्भर करता है।**

'अद्वितीयता द्वारा एकजुट' के आधार पर भविष्य का कैंसर उपचार

## CYBERKNIFE S7

डॉ. अमित जैन
कैंसर विशेषज्ञ एवं संस्थापक वेलेंटिस कैंसर हॉस्पिटल, मेरठ के अनुसार कैंसर सिर्फ एक चिकित्सीय निदान से कहीं अधिक है। हर कैंसर निदान के पीछे एक अनूठी मानवीय कहानी छिपी होती है-शोक, पीड़ा, उपचार, दृढ़ता, प्रेम और बहुत कुछ विचार। यही कारण है कि वेलेंटिस कैंसर हॉस्पिटल, कैंसर के उपचार हेतु एक व्यक्ति केन्द्रित दृष्टिकोण जो प्रत्येक कैंसर रोगी की अनूठी आवश्यकताओं को करुणा और सहानुभूति के साथ पूरी तरह से एकीकृत करता है सर्वोत्तम स्वास्थ्य परिणाम देता है।

- Luetetium PSMA therapy for Prostate Cancer
- Specialized PET scans for different cancers
- Trievhexin PET Scan for Lung Cancer
- DOPA PET scan for Brain Tumors
- FAPI PET Scan for abdominal cancers
- CXCR PET Scan for Multiple Myeloma
- PSMA PET Scan for Prostate Cancer and Gliomas
- CAR-T Cell Therapy
- DOTANOC PET Scan for Neuroendocrine Tumors and Meningioma

Brain Tumor

Breast Cancer

Lung Cancer

Liver Cancer

Pancreatic Cancer

Prostate Cancer

Neck & Head Cancer

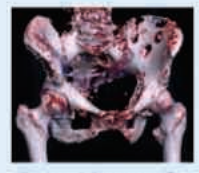
Bone Metastatic Cancer

मरीजों हेतु आशा की नई किरण और कैंसर विशेषज्ञ हेतु ज्यादा सटीकता और आत्मविश्वास। रोबोटिक रेडिएशन का वायदा : कोई दर्द नहीं – कोई डर नहीं – कम खर्च के साथ भविष्य का कैंसर उपचार।

ECHS, CGHS, SGHS (उत्तराखण्ड राज्य सरकार) CAPF, UP-POLICE, UPPCL (उत्तर प्रदेश सरकार के कर्मचारियों हेतु)
CASHLESS पैनल उपलब्ध एवं अन्य प्रमुख PSUs, TPAs एवं इनश्योरेंस कम्पनी के पैनल पर

**अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें : 7599201717, 7599221100, 9837201717**

वेलेंटिस कैंसर हॉस्पिटल, मवाना रोड, मेरठ (उ.प्र.) भारत www.valentiscancerhospital.com हमसे जुड़िए

# ‘‘धर्मादा’’ अपनी कमाई में बरकत के लिए धार्मिक कार्यों में दान करें

## ‘धर्मो रक्षति रक्षितः’ धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए धार्मिक कार्यों से जुड़ें

धर्म शास्त्रों का संदेश है कि व्यक्ति जो भी कमाये उसमें से कुछ अंश धर्म के लिए दान कर अपने धन की शुद्धि करे। क्योंकि कहा गया है–‘धर्मो रक्षति रक्षितः’ जो धर्म की रक्षा करता है धर्म उसकी रक्षा करता है। प्राचीन समय में हर व्यक्ति अपनी कमाई में से दसवां भाग ऐसे कार्यों में दान पुण्य करता था। इससे व्यक्ति की आय चाहे भले ही कम रही हो, लेकिन उसकी कमाई में बरकत बनी रहती थी। समय बदला और लोगों की आय भी बढ़ी लेकिन वे धीरे-धीरे दान-पुण्य करना भूलने लगे जिससे उनकी आय में बढ़ोत्तरी होने के बाद भी बरकत में कमी होने लगी। लोगों की आय भी बढ़े और बरकत भी बनी रहे इस उद्देश्य से पूज्य गुरुदेव जी महाराज ने विश्व जागृति मिशन द्वारा भक्तों के कल्याण के लिए धर्मादा सेवाएं प्रारम्भ करवाई हैं। मिशन अनाथाश्रम, गुरुकुल, योगा स्कूल, वृद्धाश्रम, धर्मार्थ अस्पताल, गौशालाएं, भण्डारे, आश्रम एवं मंदिर निर्माण, यज्ञ, सत्संग एवं साधना शिविर तथा दैवीय आपदाओं में सेवा-सहयोग भी करता है। आप इन सेवाकार्यों में दान-पुण्य कर अपने घर-परिवार में सुख-शांति और नौकरी-व्यापार में उन्नति-प्रगति का वरदान पायें।

**इस जीवन का पैसा अगले जन्म में काम नहीं आता,
मगर इस जीवन का पुण्य जन्मों, जन्मों तक काम आता है।**

संस्कृति का संवाहक गुरुकुल

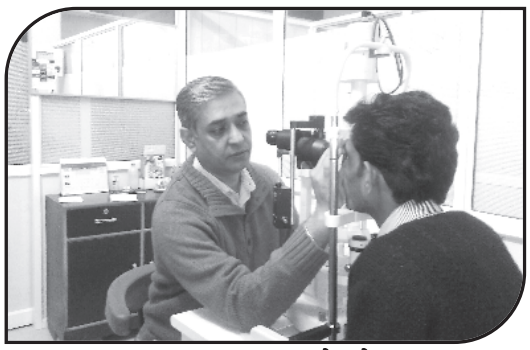


करुणासिन्धु अस्पताल में नेत्र उपचार

बालाश्रम (अनाथाश्रम)

गौशाला में गौग्रास

आनन्दधाम का वृद्धाश्रम

यज्ञ-अग्निहोत्र

दैवीय आपदा सहयोग

आनन्दधाम में भण्डारा

यदि आप अभी तक धर्मादा सदस्य नहीं बने हैं और विश्व जागृति मिशन द्वारा चलाये जा रहे सेवा प्रकल्पों से संतुष्ट हैं तो श्री जी.सी. जोशी, दूरभाष-09311534556 पर सम्पर्क करें।


**एक सुविधा यह भी**

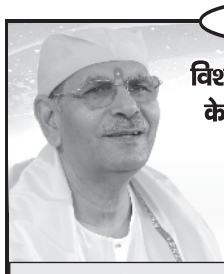



विश्व जागृति मिशन द्वारा संचालित विभिन्न सेवाप्रकल्पों के लिए दान आप पे.टी.एम. एवं अन्य यू.पी.आई. ऐप द्वारा भी कर सकते हैं।

Paytm UPI Accepted Here

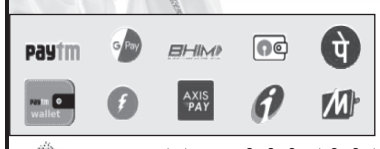

भुगतान करने के पश्चात श्री जी.सी. जोशी जी के वाट्सऐप नं॰ 93115 34556 पर अवश्य सूचित करें।

आपके द्वारा दिया गया सहयोग आयकर की धारा 80G के अन्तर्गत करमुक्त है।

भुगतान करने के लिए पे.टी.एम. या किसी भी अन्य यू.पी.आई. भुगतान ऐप में QRcode को स्कैन करें


**पूज्य सद्गुरु श्री सुधांशु जी महाराज के मुखारविन्द से निःसृत वेद, उपनिषद, पुराण तथा अन्य आध्यात्मिक ग्रन्थों की ज्ञान गंगा से ओतप्रोत उपदेश लोगों के जीवन की दशा और दिशा बदल रहे हैं। पूज्य महाराजश्री के उपदेशों से संकलित हिन्दी और अंग्रेजी में पुस्तकें प्राप्त करें।**

## हिन्दी किताबों की सूची

| पुस्तक का नाम | मूल्य |
|---|---|
| » गीतांजलि | 200/– |
| » गायत्री महामंत्र | 15/– |
| » गुरुकुलचर्या | 40/– |
| » जीवन प्रभात | 50/– |
| » जीवन की राहें | 40/– |
| » स्वर्ग की लहरें | 50/– |
| » सुधांशु मंगलम् | 60/– |
| » विद्यार्थी प्रतिभा विकास (हिन्दी) | 50/– |
| » प्रार्थना (हिंदी) | 150/– |
| » नीति वचन | 60/– |
| » विद्यार्थी प्रतिभा विकास (म.) | 80/– |
| » श्रीमद्भगवदगीता (हिन्दी) | 450/– |
| » गुरुवचनों की फुलवारी | 70/– |
| » वेद नवनीत | 100/– |



| पुस्तक का नाम | मूल्य |
|---|---|
| » प्रार्थना (मराठी) | 150/– |
| » वरदान सिद्धि साधना | 20/– |
| » नूतन प्रभात | 100/– |
| » श्रीमद्भगवदगीता (गुजराती) | 500/– |
| » जीवन नवनीत | 150/– |
| » जीवन में आनन्द | 150/– |
| » मेरे सतगुरु मेरे कृष्ण | 100/– |
| » गुरु आराधना | 25/– |
| » गीता अमृत | 80/– |
| » जिज्ञासा | 150/– |
| » जीवन प्रसून | 150/– |
| » सद्गुरु संजीवनी | 200/– |
| » अस्ताचल का सूर्य | 150/– |
| » बाल जीवन | 100/– |
| » श्रद्धा के कल्पतरु | 150/– |
| » ‘ध्यान’ जीवन की एक खोज | 80/– |
| » योगी संत एवं उसका योग विस्तार | 80/– |
| » दैनन्दिनी डायरी 2026 | 250/– |
| » टेबल कैलेण्डर वार्षिक | 100/– |
| » प्रार्थना क्यों और कैसे करें | 20/– |

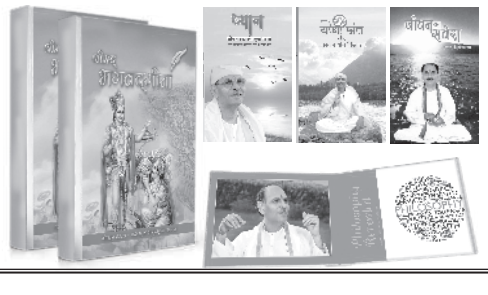

## English Book List

| NAME OF BOOKS | PRICE |
|---|---|
| » Amrit kalas | 150/- |
| » Aspire to inspire | 200/- |
| » Fragrance of life | 50/- |
| » How to developp intellect | 80/- |
| » Nivedan | 100/- |
| » 108 Steps | 150/- |
| » The Prayer | 50/- |
| » The song of life | 100/- |
| » The Dwan of life (Binding) | 100/- |
| » The Dwan of life (without binding) | 80/- |
| » The Bliss | 50/- |

| NAME OF BOOKS | PRICE |
|---|---|
| » Ved sarita | 75/- |
| » Prayer | 100/- |
| » God parmatma | 100/- |
| » Sadguru | 100/- |
| » Philisophy Rsvealed | 1100/- |
| » Ethics | 100/- |
| » Spritiual Pathway | 150/- |
| » Meditation | 150/- |
| » Moral stories from our sadguru | 150/- |
| » Happiness is divine | 100/- |
| » Compassion kindness | 100/- |
| » Service-sewa | 150/- |
| » Devotion Bhakti | 150/- |


**नववर्ष - 2026**
**प्रज्ञा दैनंदिनी**

मूल्य 250/- (लागत मात्र) भेजने आदि का खर्च अतिरिक्त

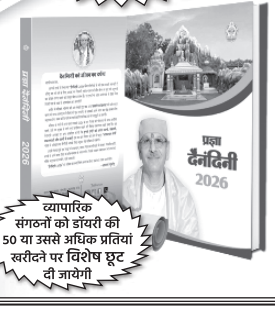



व्यापारिक संगठनों को डॉयरी की 50 या उससे अधिक प्रतियां खरीदने पर विशेष छूट दी जायेगी

यह दैनंदिनी आत्म चिंतन की वाहिनी है। जीवन के पल-पल को प्रभु चिंतन में व्यतीत करते हुए परमपूज्य सद्गुरु जी महाराज की इस अलौकिक भेंट का लाभ उठाकर आप अपने जीवन को धन्य करें।

डायरी प्राप्त करने हेतु सम्पर्क करें-प्रयाग शास्त्री - 99680 63635

सम्पर्क सूत्र : विश्व जागृति मिशन
आनन्दधाम आश्रम, बक्करवाला मार्ग, नई दिल्ली-110041
दूरभाष : (+91) 99999 04747

## उल्हास नगर में चार दिवसीय चैतन्य भक्ति सत्संग सम्पन्न

# धर्म संस्कृति से जुड़ें और बच्चों को अच्छे संस्कार दें - सुधांशु जी महाराज

**उल्हासनगर।** पूज्य सद्गुरु श्री सुधांशु जी महाराज के पावन सान्निध्य में विश्व जागृति मिशन उल्हास नगर मण्डल के 25 वर्ष पूर्ण होने पर मण्डल द्वारा 16 से 19 जनवरी, 2026 तक चार दिवसीय चैतन्य भक्ति सत्संग का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मण्डल के पदाधिकारियों ने पूज्य महाराजश्री का माल्यार्पण द्वारा स्वागत वंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

सत्संग के अवसर पर आए हुए भक्तों को आशीर्वाद देते हुए पूज्य गुरुवर ने कहा–जीवन के उत्थान के लिए आप सभी नकारात्मक विचारों से दूरी बनायें और हमेशा सकारात्मक रहें। स्वयं पर भरोसा रखें, अपने गुरु के प्रति पूर्ण श्रद्धा, विश्वास और समर्पण रखें तथा अपने कर्म पर पूर्ण निष्ठा रखें तो जीवन के हर क्षेत्र में आप सफल होंगे। आप अपने बच्चों को धर्म- संस्कृति से जोड़ें और अच्छे संस्कार दें।

ज्ञात हो कि इस चार दिवसीय सत्संग के समापन दिवस पर ध्यान गुरु डॉ. अर्चिका दीदी ने उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि जो व्यक्ति अपने स्वार्थ को दूर कर परमार्थ के लिए कार्य करता है उस पर परमात्मा और सद्गुरु की कृपा सदैव बनी रहती है। आधुनिक युग के इस दौर में सोशल मीडिया के प्रभाव से बच्चे अपनी संस्कृति और संस्कारों को भूलते जा रहे हैं। इसलिए उन्हें अच्छी आदतों को अपनाने के लिए प्रेरित करें और संस्कावान बनाने के लिए धर्म से जोड़ें। कार्यक्रम में गुरुवर एवं डॉ. अर्चिका दीदी के साथ पूज्या गुरुमाँ का पावन दर्शन पाकर भक्तों में अपार उत्साह छा गया। इस चार दिवसीय कार्यक्रम को सफल बनाने में मण्डल के प्रधान जी के नेतृत्व में कार्यकारिणी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का सराहनीय योगदान रहा। ●

## भारत मण्डपम् प्रगति मैदान में गुरुवर का दिव्य संदेश

**नई दिल्ली।** 2 फरवरी, 2026, इशिका श्री महालक्ष्मी फाउंडेशन द्वारा भारत मंडपम प्रगति मैदान में आयोजित श्री महालक्ष्मी भारत अभियान में इशिका फाउंडेशन के अधिकारियों पूज्य गुरुदेव श्री सुधांशु जी महाराज को विशेषरूप से आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम में पधारकर पूज्य गुरुवर ने उपस्थित भक्तों को महालक्ष्मी के अष्ट रूपों का महत्व बताते हुए आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर इशिका श्री महालक्ष्मी फाउंडेशन के पदधिकारियों ने पूज्य महाराजश्री का स्वागत एवं अभिनन्दन किया। इस शुभ अवसर पर आध्यात्मिक गुरु पूज्य गौरांग दास जी महाराज, पूज्य गोविन्द देव गिरी जी महाराज, पूज्य देवकीनन्दन ठाकुर जी महाराज, पूज्य आचार्य बालकृष्ण जी महाराज, विश्व हिन्दू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. आलोक कुमार जी, आचार्य महामंडलेश्वर नारायण गिरी जी महाराज एवं मोहम्मद फैज खान उपस्थित रहे। ●

## नामधारी गुरुद्वारा रमेश नगर नई दिल्ली में गुरुवर का विशेष आशीर्वचन

**नई दिल्ली।** 2 फरवरी, 2026, नामधारी गुरुवर द्वारा मेला वसंत पंचमी के अवसर पर सद्गुरु उदय सिंह जी की उपस्थिति में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें पूज्य सद्गुरु श्री सुधांशु जी महाराज को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर गुरुवर ने वहां पधारकर अपने अमृत वचनों से इस कार्यक्रम में आये भक्तों को शुभाशीष देकर सिक्ख समाज द्वारा मानवता के लिए किये जा रहे कार्यों की प्रशंसा की। कार्यक्रम में गुरुवर के पधारने के लिए नामधारी गुरुद्वारा समिति के पदाधिकारियों ने हृदय से आभार व्यक्त करते हुए महाराजश्री से आशीर्वाद लिया। ●




## महर्षि वेदव्यास विद्यापीठ

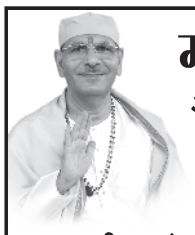

**आनन्दधाम आश्रम, बक्करवाला, नई दिल्ली-41**

### प्रवेश आमन्त्रित

**सत्र 2026-27**

पूज्यश्री सुधांशुजी महाराज के सान्निध्य में आनन्दधाम आश्रम, दिल्ली में स्थापित महर्षि वेदव्यास गुरुकुल विद्यापीठ में छठी (प्रथमा प्रथमवर्ष), सातवीं (प्रथमा द्वितीयवर्ष), आठवीं (प्रथमा तृतीयवर्ष), नवमी (पूर्वमध्यमा प्रथमवर्ष), ग्यारहवीं (प्राक् शास्त्री), शास्त्री प्रथमवर्ष एवं आचार्य प्रथमवर्ष (एम.ए.) कक्षाओं तक प्रवेश हेतु आवेदन आमंत्रित हैं। इस वर्ष फॉर्म शुल्क 100/- रुपये है।

आवेदन-पत्र भरने की अन्तिम तिथि 18 मार्च, 2026 है तथा विद्यार्थी अपने अभिभावक के साथ दो फोटो, सत्यापित एवं मूल प्रमाणपत्रों सहित 24 मार्च, 2026 को प्रातः 08 बजे आश्रम में परीक्षा हेतु उपस्थित हों।

**परिश्रमी एवं समर्पित विद्यार्थियों का संस्था में भविष्य उज्जवल है**

चयन विधि : कक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर साक्षात्कार के लिए बुलाये गये विद्यार्थियों में से चयन - चयन समिति का निर्णय अन्तिम।

प्रवेश सम्बन्धी इस वर्ष गुरुकुल में प्रवेश के लिए दो व्यवस्थाएं हैं-

i. जो विद्यार्थी शिक्षा पूर्ण करने के बाद विश्व जागृति मिशन में ही सेवा करेंगे, उन्हें सभी सुविधाएं निःशुल्क मिलेंगी, इसके लिए उन्हें बाण्ड भरना होगा।

ii. जो विद्यार्थी वर्ग एक (i) में इच्छुक नहीं, उन्हें शिक्षा समाप्ति तक प्रत्येक वर्ष मासिक 4000/- रुपये राशि गुरुकुल को देनी होगी।

सम्बद्धता : छठी से आठवीं तक श्री गोस्वामी गिरिधारीलाल प्राच्य विद्या प्रतिष्ठानम् एवं नवमीं से आचार्य तक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

शिक्षा : सैद्धान्तिक शिक्षा के साथ-साथ वेद, पुराण, गीता, संगीत, योग, कम्प्यूटर, कब्बडी एवं अन्य खेलों का प्रशिक्षण।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें-

श्री दौलतराम कटारिया (प्रधान) - 9312243623
डॉ. नरेन्द्र मदान (महामंत्री) - 8882051156

अन्य दूरभाष : 9716282446, 9313320224, 9958038081

आनन्दधाम आश्रम, बक्करवाला मार्ग, नांगलोई-नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली-110041




कार्यालय : आनन्दधाम आश्रम, नांगलोई-नजफगढ़ रोड, बक्करवाला मार्ग, नई दिल्ली-110041
दूरभाष : 9560792792, 9582954200
ई-मेल : annapurna@vishwajagritimission.org
वेबसाइट : www.vishwajagritimission.org

अपने स्वयं व अपनों के जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ व पूर्वजों की पुण्यस्मृति में अन्नपूर्णा योजना के अन्तर्गत यजमानों द्वारा आनन्दधाम आश्रम के गुरुकुल, वृद्धाश्रम में भोजन करवाया जाता है तथा गऊओं के लिए गौग्रास भी दिया जाता है। इस अवसर पर यजमानों के लिए मंगलकामना करते हुए आचार्यों एवं ऋषिकुमारों द्वारा प्रार्थना और यज्ञ भी किया जाता है।

इस योजना की सहयोग राशि आप सीधे बैंक खाते में भी जमा कर सकते हैं-

"VISHWA JAGRITI MISSION" का
A/c No. 916010029741912 Axis Bank,
East Punjabi Bagh, New Delhi-110026,
IFS CODE - UTIB0002497.

www.vishwajagritimission.org
आनन्दधाम आश्रम, नांगलोई-नजफगढ़ रोड, बक्करवाला मार्ग, नई दिल्ली-110041

राशि जमा कराने के उपरान्त उसकी सूचना हमें ई-मेल : annapurna@vishwajagritimission.org याव्हाट्सऐप नम्बर : 9582954200, 9560792792 पर अवश्य भेजें, ताकि जमा की गई राशि की रसीद आपको भेजी जा सके।

**एक से अधिक तिथियाँ आरक्षित कराने के लिए उपरोक्त ई-मेल आई.डी. पर सूचित करें।**
(आपके द्वारा दिया गया दान आयकर की धारा 80G के अन्तर्गत कर मुक्त है)

### वरदान लोक आश्रम, मुम्बई में पंच दिवसीय सनातन भक्ति सत्संग महोत्सव सम्पन्न

# संस्कृति की रक्षा के लिए सनातन धर्म से जुड़ें -सुधांशु जी महाराज

**मुम्बई।** पूज्य सद्गुरु श्री सुधांशु जी महाराज के पावन सान्निध्य में विश्व जागृति मिशन थाणे (मुम्बई) मण्डल द्वारा 22 से 26 जनवरी, 2026 तक आयोजित पंच दिवसीय सनातन भक्ति सत्संग महोत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारम्भ ध्यान गुरु डॉ. अर्चिका दीदी ने दीप प्रज्जवलन कर किया। कार्यक्रम में आये हुए भक्तों को संबोधित करते हुए डॉ. दीदी ने कहा कि मन को परमात्मा की राह में लगाये रहने से भौतिक उन्नति के साथ आध्यात्मिक प्रगति होती है। आप अपने अंदर गुरु भक्ति को जागृत करें, गुरु से जुड़ें और गुरु कृपा से सत्कर्म करते हुए अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ते रहें।

सनातन भक्ति सत्संग महोत्सव में भक्तों को आशीर्वाद देते हुए महाराजश्री ने कहा कि संस्कृति की रक्षा के लिए सनातन धर्म से जुड़ें और अपने घर परिवार को स्वर्ग सम सुंदर बनाने के लिए संस्कारों को महत्व दें।

उल्लेखनीय है कि इस कार्यक्रम में पूज्य गुरुवर, गुरुमाँ एवं ध्यान गुरु डॉ. अर्चिका दीदी के सान्निध्य में भक्तों को वैभव लक्ष्मी महायज्ञ, रुद्राभिषेक, वसंत पंचमी पर सरस्वती पूजन, गणतंत्र पर्व पर ध्वजारोहण के साथ वरदान लोक आश्रम में श्री केदारनाथ धाम मंदिर के भूमि पूजन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। श्री केदारनाथ धाम मंदिर के शिलान्यास कार्यक्रम में हजारों भक्तों की उपस्थिति में गुरु परिवार के साथ महाराष्ट्र सरकार के वन मंत्री श्री गणेश नाईक जी, पूर्व सांसद श्री संजीव गणेश नाईक जी एवं श्री राम पाल जी 64 फाउंडेशन के अध्यक्ष साक्षी बनें।

मण्डल के प्रधान श्री एस.एस. अग्रवाल जी के नेतृत्व में मण्डल के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के सहयोग से सनातन भक्ति सत्संग महोत्सव का यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। ●

### देहरादून मंडल के एक दिवसीय भक्ति सत्संग में संस्कृति और संस्कार की गूंज

# संस्कारित युवा पीढ़ी से ही जीवंत होगी सनातन संस्कृति-सुधांशु जी महाराज

**देहरादून।** पूज्य गुरुवर श्री सुधांशु जी महाराज के पावन सान्निध्य में विश्व जागृति मिशन, देहरादून मंडल द्वारा 30 जनवरी, 2026 को एक दिवसीय सत्संग आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कैबिनेट स्तर दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री विनय रोहिला, राज्य मंत्री जगत चौहान, भाजपा नेता राजेंद्र सिंह ढिल्लो, पूर्व मेयर सुनील उनियाल गामा ने पूज्य महाराजश्री सुधांशु महाराज का माल्यार्पण कर व्यासपीठ से आशीर्वाद लिया।

कार्यक्रम में आये हुए भक्तों को आशीर्वाद देते हुए पूज्य महाराजश्री ने कहा–आज के इस युग में संस्कार क्रांति से ही हमारी सभ्यता सुरक्षित रह सकती है। युवा पीढ़ी संस्कारवान होगी, तभी वह अपने सनातन संस्कारों को जीवित रख पाएगी। संस्कारों के लिए सबसे पहले माता –पिता को पहल करनी होगी। इसके बाद गुरु की शरण उसकी आध्यात्मिक यात्रा को सुदृढ़ करेगी। विश्व जागृति मिशन ने 10 गुरुकुल और 108 संस्कार केंद्र अगले कुंभ तक खोलने का संकल्प लिया है। जिसके लिए हमारा मिशन निरंतर गतिशील है। अब तक देशभर में 3 गुरुकुलों और 35 संस्कार केन्द्रों का संचालन किया जा चुका है।

पूज्य महाराजश्री ने देवभूमि उत्तराखण्ड में जन्म लेने का महत्व बताते हुए कहा कि इस देवभूमि में जन्म लेने का अलग ही आनंद है। इस धाम में अमृत बरसता है। देवभूमि में वही पहुंचते हैं, जिन्हें पाप मुक्त होने का अवसर मिलता है। देवताओं की धरती पर जन्म लेने के बाद भी धर्म और गुरु से न जुड़ पाएं तो माना जाए कि अमृत कुंड के पास होकर भी अमृतकुण्ड के पास रहकर भी अमृत प्राप्त नहीं कर पाए। मंडल के प्रधान श्री सुधीर शर्मा जी के नेतृत्व में सभी अधिकारियों और कार्यकताओं के सहयोग में यह एक दिवसीय सत्संग अति सफल रहा। ●


सनातन संस्कृति जागरण अभियान
10 गुरुकुल एवं 108 संस्कार केन्द्रों की स्थापना हेतु
12 से 15 मार्च, 2026
12 मार्च शुभारम्भ - सायं 5 बजे से
13 से 15 मार्च प्रातः 9 बजे से एवं सायं 5 बजे से
विशेष मंत्रदीक्षा - 15 मार्च प्रातः 11 बजे से
प्रख्यात पूज्य साधु-संत एवं राष्ट्र के प्रखर राजनेताओं के सम्बोधन
आईटीआई मैदान,
साकेत, नजदीक जेल चुंगी, मेरठ, उत्तर प्रदेश
मुख्य यजमान
अमित अग्रवाल
विधायक, मेरठ कैंट, विधान सभा 47
उत्तर प्रदेश सचेतक, विधान मण्डल दल, भाजपा,
संयोजक, स्थानीय निकाय प्रकोष्ठ, भाजपा, उ.प्र.

MAHAVEER UNIVERSITY, MEERUT
LEARNING WITHOUT LIMIT
Advance Your Academic Journey With UG, PG & Ph.D. Programmes.
B.N.Y.S (Bachleor in Naturopathy and Yogic Science)
BAMS
BPT
B.A. LL.B.
B.Com. LL.B
LL.B. | LL.M.
D.Pharm. | B.Pharm.
B.Pharm. (Lateral Entry)
M.Pharm. (Pharmaceutical Chemistry, Pharmaceutics)
ANM | GNM
B.Sc. (Nursing)
BCA | MCA
B.A.B.Ed.
B.El.Ed.
D.El.Ed. | B.Ed. | M.Ed.
B.Com. | M.Com.
BBA | MBA
B.Sc. (Hons.) Agriculture
M.Sc. (Ag.) Agronomy
B.Sc. (ZBC) | B.Sc. (PCM)
M.Sc. (Maths, Chemistry, Physics, Zoology & Botany)
B.Tech. (ME, CSE, EE, CE, ECE, EEE)
B.Tech. (ME, CSE, EE, CE, ECE, EEE): Lateral Entry
Polytechnic (ME, CSE, EE, CE, ECE, EEE)
Polytechnic (ME, CSE, EE, CE, ECE, EEE): Lateral Entry
B.A. | M.A.
B.Lib.Sc. | M.Lib.Sc.
Diploma in Veterinary Pharmacy (DVP)
Diploma in Livestock Extension (DLE)
Toll Free: 1800 313 3742 9557928862/66 | For More Information of Ph.D Call:- 9045654405
Website: www.mvu.edu.in | Email: info@mvu.edu.in | Campus : Pohalli, Sardhana Road, Meerut (U.P.) - 250341

BSJ
BALSONS
JEWELLERS PVT.LTD.
सुनहरा तोहफा
अनमोल यादें..!
184, Abulane Chowk, Meerut Cantt.
+91 78955 22899 | 121 4056941

TULSI HOSPITAL
A VENTURE OF DEVSHREE GROUP
CARE LIVES HERE
तुलसी हॉस्पिटल
क्या आप
पेट व लिवर
सम्बंधी समस्याओं से परेशान है?
Dr. Achal Garg
M.B.B.S., M.D., D.M., MRCP, (SCE-UK)
Consultant Gastroenterologist
Hepatologist & Interventional Endoscopist
उपलब्ध सुविधाएं
• दूरबीन पद्धति द्वारा आहार तंत्र की जांच (यू.जी.आई. एंडोस्कोपी & O.G.D.)
• दूरबीन पद्धति द्वारा आंतों की जांच (Colonoscopy)
• ई.आर.सी.पी. (ERCP)
• एंडोस्कोपिक अल्ट्रासाउंड (EUS)
• खून की उल्टी व दस्त की जांच
• पेट, लिवर, आंत व पेंक्रियाज से जुड़ी समस्त बीमारियों का इलाज
• मोटापे का इलाज (Gastric Balloon)
Dr. Vibhuti Garg
(MBBS, M.D.) (Pathology)
FACILITIES :
Hematology | Cytology | Histopathology
Clinical Pathology | Hormones | Cervical Cytology
Microbiology | Clinical Chemistry | Serology
Most Trusted Labs
Home Collection Facility Available
24 HRS OPEN
FOR SAMPLE COLLECTION CALL: 9258284890
Tulsi Hospital, D-Block Samrat Palace, Garh Road, Meerut -250003 (U.P.)
Appointment Today +91 9258284893
विश्वस्तरीय इलाज, आम आदमी के बजट में
Email: tulsihospital23@gmail.com
For Emergency +91 9258284894


विश्व जागृति मिशन (रजि०) के लिए श्री देवराज कटारीया द्वारा समाचार पत्र "धर्मदूत" ओंकारेश्वर महादेव मंदिर, 'जी' ब्लॉक, मानसरोवर गार्डन, नई दिल्ली–110015 से प्रकाशित एवं पुष्पक प्रिन्टर्स द्वारा मुद्रित। ग्रॉफिक डिजाइनिंग : सीता फाईन आर्ट्स प्रा० लि०, नई दिल्ली। सम्पादक : डॉ. नरेन्द्र मदान